

DPN 6198

Title : भीमसेन स्तोत्र BHIMASENA STOTRA

Run. No. 6889

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र hymns

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 21 x 8.5

Folios 12

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator प्रतापमल्ल Prataf Malla

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 810 (written in a stray writing)

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : नेपाली : बुद्ध) यमो, बौद्ध स्तुति नं ५

Material : palmleaf / paper / thyaasaphu /

Remark : this codex also contains some other Buddhist hymns.

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

x

इति श्री महा राज राज राजेन्द्र भूपकेसरी श्री श्री कावेन्द्र (कवीन्द्र)
जय प्रताप मल्ल देव विचित्रा श्री श्री श्री श्री दिव्य भीमसेन स्तोत्र समाप्तः ॥ ॥

२०
१५
१०
५
०
० CMS 5 10 15 20 25 30 35

शुद्ध्या नमः ॥ १० ॥ शुद्ध्या नमः ॥ १० ॥
यसिद्धिस्तु मवत्तु सनिर्गता ॥ ११ ॥
उक्तवर्न ॥ १२ ॥ श्रीवत्सलसद्विभक्तवत्तु ॥ १३ ॥
विश्वव्यापिकजगत्तु नार्थ मानसमवत्तु ॥ १४ ॥
यमेव न मालविनिष्ठु ॥ १५ ॥ किंवा लोकात् ॥ १६ ॥
॥ १७ ॥ नारिगिलकवत्तु ॥ १८ ॥

विश्वकमलउत्तु ॥ १९ ॥ विनय ॥ २० ॥
मलत्तु ॥ २१ ॥ मलत्तु ॥ २२ ॥
॥ २३ ॥ नारिगिलकवत्तु ॥ २४ ॥
लोकादिगमालिका ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥
मीला ॥ २७ ॥ विनय ॥ २८ ॥
॥ २९ ॥ विनय ॥ ३० ॥

वडुधलुमनायमा ॥ १५ ॥ अथादण्डमिहगुं अवलिश्रुतिनामुमनाके
 रुके २ रुलिहववृक्षीवनलुनदेवसमनसयुजिनं ॥ १६ ॥ अगिर्धनमहाः
 पुन्यसर्वसुनानिलर्जनं निनालेरुनिविकालं वाचवदिसना ॥ १७ ॥
 शाखयैरुधर्मधातु आनित्रययुकासिना २ दवाधिदेवमहा ॥ १८ ॥ सर्वदेव
 युयुजिनं ॥ १९ ॥ लानवेयमहाननके यचनेनकडलसू २ युवडलस
 कननयनस्वयरुकि लनयायिगा ॥ २० ॥ अथलिदिहुरुवदुरुयम
 सर्वतिथि

किदे २ र्वलुसंमसुडलुमेवेल्लु हागलि स्वयंभुवत्युदकिल ॥ २१ ॥
 याससुसंवकडमेखालुग नाडकेन्यलुरुवेरुकि किनामनहायगस्य
 डलमेगयोवनं ॥ २२ ॥ नामनावनसमनहालितवृद्धसनलसुगसागा
 र्वलुमनकालवेचिरु सिद्धिरुवसुयुजिनं ॥ २३ ॥ आनिदुनिलयस
 त्वमगुंडधुगतामहामेनि २ अहानायायुदकिलय सुखावतिमहाया
 याग ॥ २४ ॥ ॥ ॥ ॥ २५ ॥ नमावद्याय ॥ सिग्गनिलमुद्रकेविन

२५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

लासूर्यसुनिर्मलनारिललागनयुकिदुर्गमृदकायदुवासावैभालवृगता
 ननसिंहा ॥ २ ॥ अर्जुनलवर्णसुनीलसकलकाकेनयवैशुद्विलन
 गाडावधियाउलपुदसुवर्ण ॥ ३ ॥ असाहउदयिगाननसिंहा ॥
 ४ ॥ आयनयकसुसंविननाला ॥ आयनरवाजुनिनिलसुनयुनरुदु
 दनः ॥ अग्निनिलसुमकाः ॥ असाहउदयिगाननलसिंहा ॥ ५ ॥ अग्निमसु
 सगैरिलमंरुसुधायाः ॥ हिंयुनिवर्णसुनकसुदिदा ॥ विनविदिगानि

खगसुदका ॥ असाहउदयिगाननलसिंहा ॥ ६ ॥ अगसुवर्गसुसंविनयि
 वा ॥ सिंहरुनसुगनाजलनिला ॥ काकेनखरुसुडरुमवर्ण ॥ असाह
 उदयिगाननलसिंहा ॥ ७ ॥ अगद्विनिलयथसिविविरु ॥ गानगनाय
 निवर्णनया ॥ अकमधगगासनिनादो ॥ असाहउदयिगाननलसिं
 हा ॥ ८ ॥ अचक्रमर्लकृगनकसुयाडो ॥ लकलमल्लिगआयनया
 वामलचक्रविशुद्विनयादा ॥ असाहउदयिगाननलसिंहा ॥ ९ ॥ अ

20

15

10

5

0

३ य
 क कमलवलाशी क मा ग ल क ल चि रु दु य ल्प न नि ग न ल क दि
 ना य ग ग न न वि ना न स रु रु रु यि ग न ल सि र्हा ॥ ८ ॥ ज म ल न र
 वा म ल च व ग ड ड ड माल य ना रु रु रु स नि ना सर्व गु ल क ल ल क
 वि शु द्धा व ड मि ला ग म शी म नि या रु र्हा ॥ ९ ॥ इ ति ना क म नि रु र्हा
 न स्य रु ल्प ध ना ना क म क ना वि न वि रु ग उ स मा य ॥ १० ॥ ए र्हा
 रु ड न मी ला क ना था या ना ग म ला उ ग ल रु नि ॥ य द्वा दि ग य नि रु र्हा

य रु नि सा लि क ल ना म

ला क या न यि ग व ल्प सा रि ना रु र्हा सि वा रु न व रु रु र्हा न मा मि शु न
 ना र्थ ॥ १ ॥ स म न स म न ल ला क या न ॥ २ ॥ ज ला दि ग य नि रु
 मि दि व ना रु न क व ल्प सा रि ना रु र्हा ग ज स न ना कि रु र्हा न मा मि रु र्हा
 स र्ना ॥ ३ ॥ द रु नि दि ग य नि रु र्हा ना रु र्हा निल व ल्प सा रि ना रु र्हा
 ज स न द रु रु र्हा न मा मि रु र्हा रु र्हा ना रु र्हा ॥ ४ ॥ न स रु दि ग य नि रु
 सा स्या म व ल्प सा रि ना रु र्हा ज स न स रु रु र्हा न मा मि रु र्हा

रु

CMS

5

10

15

20

25

30

35

३॥ ४ ॥ यश्चिददिगयति वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं सारुणां मंगलार्जुनं
सननागहर्षं नमामि शीतं वायुकिं वार्जुनं ॥ ५ ॥ वायुं वदिगयति
रिषामुत्तमं वत्सलार्जुनं सारुणां मंगलार्जुनं वत्सलार्जुनं नमामि शीतं वायुं
वत्सलार्जुनं ॥ ६ ॥ उदकं वदिगयति क्वचनमुत्तमं क्वचनमुत्तमं सारुणां मंगलार्जुनं
वत्सलार्जुनं नमामि शीतं वत्सलार्जुनं ॥ ७ ॥ ॐ नमो वदिगयति
महेश्वरं रुद्रं क्वचनमुत्तमं सारुणां मंगलार्जुनं वत्सलार्जुनं नमामि शीतं

मामि शीतं वत्सलार्जुनं ॥ ८ ॥ अद्भुतं वदिगयति आदिना लायनं स्म
मवत्सलार्जुनं सारुणां मंगलार्जुनं वत्सलार्जुनं नमामि शीतं वत्सलार्जुनं
॥ ९ ॥ उदकं वदिगयति वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं सारुणां मंगलार्जुनं वत्सलार्जुनं
वत्सलार्जुनं नमामि शीतं वत्सलार्जुनं ॥ १० ॥ ॐ नमो वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं
मामि शीतं वत्सलार्जुनं ॥ ११ ॥ ॐ नमो वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं
उदकं वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं वत्सलार्जुनं

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

६५

हावलिकवज्ञमन्त्रजन्त्यावदे ॥ ५ ॥ नम्यस्त्रुविनिर्मिगमलवसननिपसत्तुदुर
 धूलिहूननिर्जितविष्मगि। वनमन्दनं धानपल्लवमनखनदानलानि हगद्वन्द्वशास्त्रा
 तम्वनात्रुक्षरधिनमदिनायानयानलान्त्यनी ॥ ६ ॥ द्रुक्षकस्मृत्समम्भेवन्धनमकनन्यपदि
 भावनी दीपि। स्मृत्सर्वानिर्मितैलनचितकटिगटगमनी। केयकाधियमानगपुत्रांगपित
 निजगलगायके। द्यौयदीनचराचकषेहामुदितरुत्रयगियावकी ॥ ७ ॥ शालिङ्गकवि
 वलियिवनयमसिद्धिदद्वकी मुजगत्रावेदगवाडुसुललितवाहवदनविनामिरी ॥

20

15

10

5

0

जन १
 नकिमिप्रविजयतापितनिषिलभादपमानसं॥ दहनकाननैयुधावनदाहजनतससक
 द॥ नीलर्यकवाससगिरिविमलकवनधामिहिवामजानूसकासनालयमध्य
 साधुनिवासिनी॥ धनयकमहाविष्णुलसदकसखगतागिनी॥ डोयदीमनिर्ममाल
 विविधसुखवृत्तपदासिनी॥ एतन्नाथविष्णुकाकनमूदिद्वयससवितपञ्चवर्ण
 सुमनसवकसकलमानतावितपञ्चप्यालकमानयागिनिगद्योपपिष्टकका
 कीक्षाधिकर्णिककिमद्युलवसगितितसरावर्क॥ १०॥ शुक्लदहनसमसंगम

य
 लघनवयरीतिदहीमद्वैतयानकाननरधिनयकमेद्वैतमालमद्वैक
 लघननाथमहावर्णदीपिनमसकवृक्षुलविततकिलकिलयुक्कली॥ १॥ शुक्ल
 दासुधागतनवनययलानचिलानाचनी॥ यष्टलैवितकृदिकुडकनिगित
 नखनदनागिनी॥ नदहमानविलेपिताचलनमहावतिनसहासिनी॥ चिकयामिपिगमदि
 नामयिरीयललकनयुगलासिनी॥ गारायकनागजुसदैववसतियदिजनरुसकक
 हसकसहितवनवितजनकनवामक॥ १२॥ जसंगनसकदादयिगुजतिजयचयनिर्मल

CMS 5 10 15 20 25 30 35

अथलामनकृष्णकिलसकलधनपणिसत्कूलं ॥१३॥ श्रीकवीन्द्रायमस्तु नमः
निर्मितं लीमसनसुखदूने किलवसतुवृद्धद्विमतं न दावर्तकव्यामजलतयविविधं
सूखावर्तं तात्रकं गुरुदोयकं खलु निखिलमनः शययार्दना १४ ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥
नाजनाजनाजन्मकसमा श्रीश्रीकविन्द्रायमस्तु नमः विनयिनी श्रीश्रीश्रीश्री
वदूयलीमसनसुखार्पणमा ४ ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥
श्रीनृ लनाथाय ॥

१. ॐ नमो विद्याधनी नमः ॥ नन्दनवनसतञ्जलाञ्जलि
 २. निनी वदके दानमुखद ॥ वंदकामा नन्दनविधिबलि
 ३. विलज्जिनि विविद्याधनि विविध नूतन यदि वनि स
 ४. लञ्जनापित ॥ वंद ॥ विष्णु यदि तत एव त कपिक
 ५. दनदिज्ञतसंगमवलित सुलयादय सुकञ्जामि
 ६. निहञ्जिनी कृतिगत्रलाके निह ॥ वंद ॥ कनविनावि

अवि धिवनमधरद्व कृतमनि नमनिनव तस्मिन्मिह
 विनातसिधनन नितेकात्रसाधकहयुहलन ॥ वंद ॥
 यि कासनि धिसितवतवलथ जीवतसदाकृतनिगय
 वातदिवाकलसमशयितलित सहजौ नन्दयञ्जनवति
 त ॥ वंद ॥ नविगवायुविकूनयय नन स्वदित दन ॥ ५

यावत्समर्द्ध ॥ अथलवदनशासायितह सद्धननयकृति
 कृतमह ॥ वंद ॥ सर्ववदुवा सकन य नलावनयावित
 नविमृदु कलत्रकेसुमविनिमित्तमान मूढमालमनि
 यविसोल ॥ वंद ॥ नकुयानमदितवननन उद्धपादतान
 कतरुडा ॥ सिधुनितिकविनाजिराल लकृतिरुति
 ॥ १ ॥ नवधाय महामय ॥ श्री श्री श्रीरिमम ननम ॥ श्रीरिमम न
 म न

नविमिदं कालं ॥ वद ॥ श्री लने सुत द न नयज म
 दनं क्ख्या ॥ नवल व द न ॥ वद ॥ कू द नय गल वि-
 निगान लं कि त न न ॥ वद ॥ क न ना का
 मल सुविमेल द न ॥ वद ॥ हि स मि हि न व ॥ मि ह स द य
 त अ म न सा ध क सि क्खे न ॥ वद ॥ न न ति र ग धि स सु ल ॥ वद
 यदि शा ॥ व नि ग त न न ॥ कि क ल मि व व नू र्व व र

१॥ ग व ल य ॥ म र व क ल ॥ सा ता सा ल ॥ व य ग रा ॥ व व व क ॥ म न व
 ॥ मि ह द न न ॥ वि य न ना र ॥ न म स ॥

क न न ॥ व व ल य ता व न डि प ति र नि न ॥ वि त न
 न म र ल न मि न ॥ वद ॥ ॥ ति ॥ र मा हा ला ज ॥ य ता ज ला ज ला ज
 ल सु क ला ज व का धि ॥ वद ॥ ॥ ति ॥ र मा हा ला ज ॥ य ता ज ला ज ला ज
 सु व ॥ १० ॥ स क स न न ग न मा लि नि न म उ ग म म ॥ ॥ न म व क य ॥ न न
 र मा य ता न न म स ॥ धा य म ह त म ज द वा सा ॥ ॥ मि ॥ ॥ व न क क न य
 ॥ न म ॥ ॥ लोक नी था य ना ग म ला द क ता य व दि ग प डि ॥ ॥ न ॥ ॥ क क न य
 न न व ॥ ॥ रि ढा ह रि वा हा न व र ह ट न मा मि ॥ ॥ श्री ॥ ॥ सु न ना र्थ ॥ ॥ हा ॥ ॥ म न

न

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

मननं प्राकयार्थं ॥ १ ॥ अथ श्रीगोपति ज्योत्स्नी च वगानठव
 न श्रिवाचूहां श्रुतासु न सठि हनं नमामि श्री कृतासनी ॥ २ ॥ द
 श्री नंदीशं पठि वमनां निनवन श्रिता मठि वगानठव
 हनं नमामि श्री कृतासनी ॥ ३ ॥ अथ श्रीगोपति ज्योत्स्नी च वगानठव
 स्यामनन श्रिता ॥ ४ ॥ अथ श्रीगोपति ज्योत्स्नी च वगानठव
 ॥ ५ ॥ पयसी मठि ॥ ६ ॥ पयसी मठि

॥ ७ ॥ कसलमन विवाह ॥ कतस
 ॥ ८ ॥ नमो भद्राय सनिर्वनि रं मृदु कृषिक क ॥ सूर्य सनि मलना रि लना
 ॥ ९ ॥ अथ श्रीगोपति ज्योत्स्नी च वगानठव
 ॥ १० ॥ कयि कयि कयि
 ॥ ११ ॥ अथ श्रीगोपति ज्योत्स्नी च वगानठव
 ॥ १२ ॥ दिव नृपस त्वग हस का डि वा उ खरि का न व कयि
 ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ कसलमन विवाह ॥ कतस